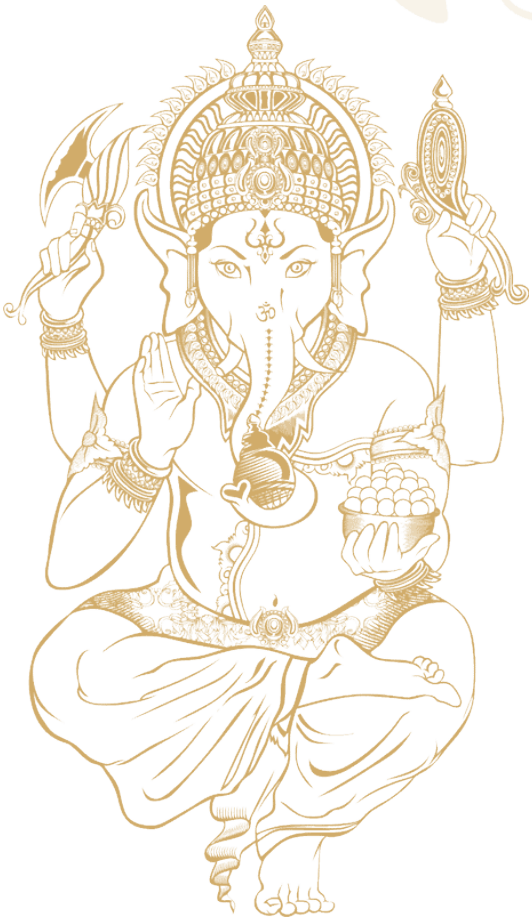

Amit Kumar

Sakshi s

Model: Horoscope-Matching

Order No: 119981301

Model: Horoscope-Matching

Order No: 119981301 Date: 02/11/2025

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
10/08/1992	जन्म तिथि	01/12/1990
सोमवार	दिन	शनिवार
घंटे 18:30:00	जन्म समय	19:05:00 घंटे
घटी 32:48:15	जन्म समय(घटी)	32:08:48 घटी
India	देश	India
Ranchi	स्थान	Delhi
23:22:00 उत्तर	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
85:20:00 पूर्व	रेखांश	77:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे 00:11:20	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:22:42	सूर्योदय	06:56:22
18:24:50	सूर्यास्त	17:23:44
23:45:32	चित्रपक्षीय अयनांश	23:44:02
मकर	लग्न	मिथुन
शनि	लग्न लग्नाधिपति	बुध
धनु	राशि	वृष
गुरु	राशि-स्वामी	शुक्र
पूर्वाषाढ़ा	नक्षत्र	कृतिका
शुक्र	नक्षत्र स्वामी	सूर्य
3	चरण	3
प्रीति	योग	शिव
कौलव	करण	विष्टि
फा-फारुख	जन्म नामाक्षर	उ-उपासना
सिंह	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	धनु
क्षत्रिय	वर्ण	वैश्य
मानव	वश्य	चतुष्पाद
वानर	योनि	मेष
मनुष्य	गण	राक्षस
मध्य	नाड़ी	अन्त्य
मूषक	वर्ग	गरुड़

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी		अंश	राशि		ग्रह		राशि	अंश	विंशोत्तरी	
शुक्र 5वर्ष 9मा 24दि		26:59:12	मक		लग्न		मिथु	10:38:48	सूर्य 2वर्ष 5मा 23दि	
राहु		24:22:42	कर्क		सूर्य		वृश्चि	15:21:52	राहु	
05/06/2021		22:47:17	धनु		चंद्र		वृष	04:29:10	26/05/2010	
06/06/2039		16:05:50	वृष		मंगल	व	वृष	10:14:14	25/05/2028	
राहु	16/02/2024	12:34:57	कर्क	व	बुध		धनु	05:42:44	राहु	05/02/2013
गुरु	12/07/2026	23:15:49	सिंह		गुरु	व	कर्क	19:51:33	गुरु	02/07/2015
शनि	18/05/2029	10:16:05	सिंह		शुक्र		वृश्चि	22:46:52	शनि	08/05/2018
बुध	05/12/2031	21:08:37	मक	व	शनि		धनु	28:38:37	बुध	24/11/2020
केतु	23/12/2032	06:06:06	धनु	व	राहु	व	मक	05:28:02	केतु	12/12/2021
शुक्र	23/12/2035	06:06:06	मिथु	व	केतु	व	कर्क	05:28:02	शुक्र	12/12/2024
सूर्य	16/11/2036	21:01:07	धनु	व	हर्ष		धनु	14:13:43	सूर्य	06/11/2025
चन्द्र	18/05/2038	23:00:07	धनु	व	नेप		धनु	19:17:24	चन्द्र	08/05/2027
मंगल	06/06/2039	26:25:18	तुला		प्लूटो		तुला	24:48:56	मंगल	25/05/2028

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:45:32 चित्रपक्षीय अयनांश 23:44:02

लग्न-चलित

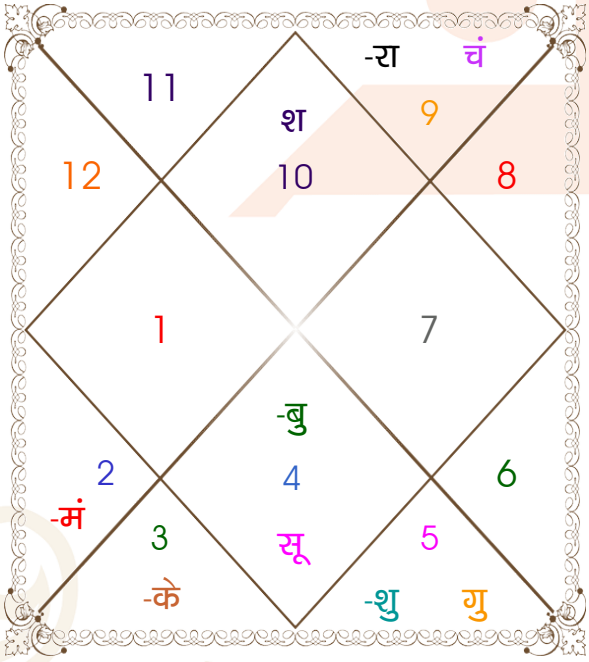

लग्न-चलित

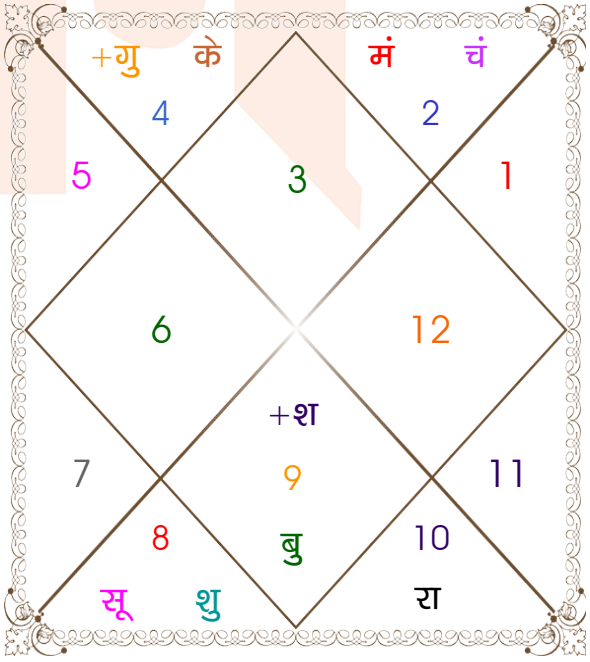

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	चतुष्पाद	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	अतिमित्र	सम्पत	3	3.00	--	भाग्य
योनि	वानर	मेष	4	0.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	शुक्र	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	राक्षस	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	धनु	वृष	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	14.50		

कुल : **14.5 / 36**

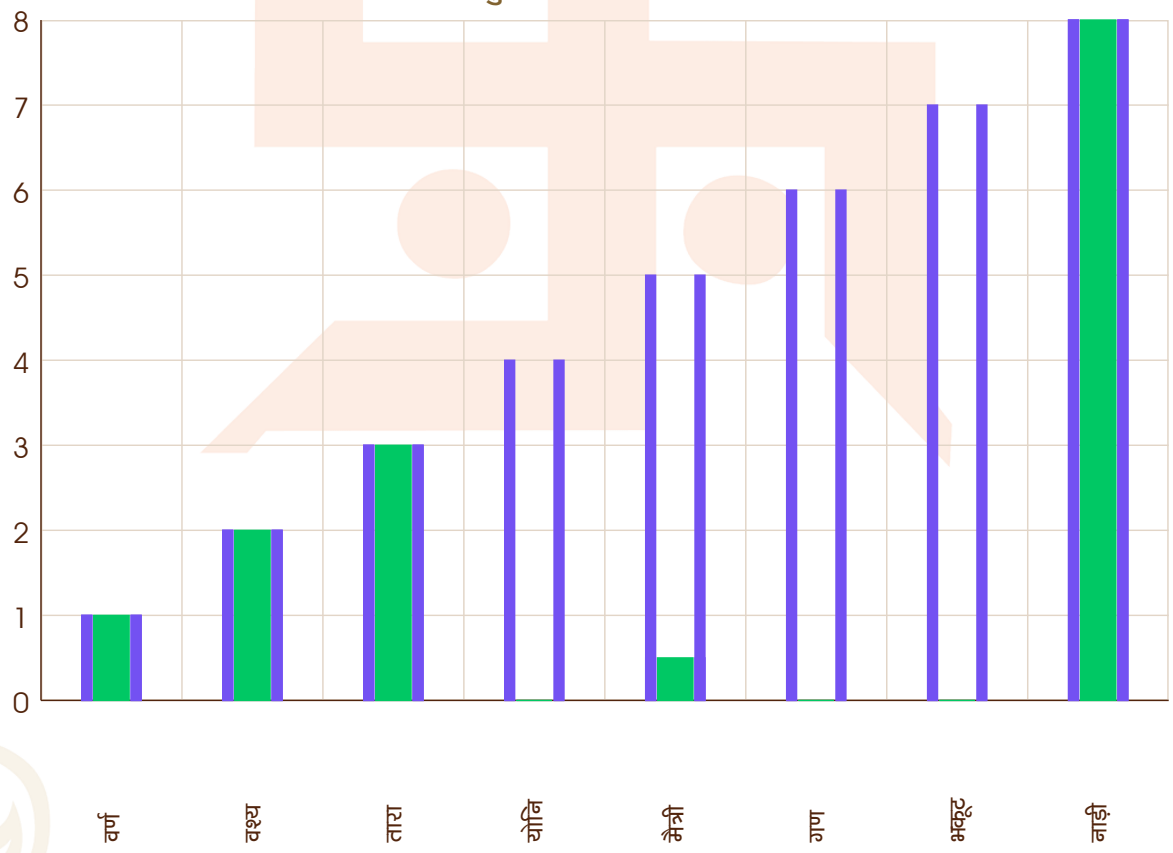

अष्टकूट मिलान

गणदोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता नहीं है।

भकूट दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता नहीं है।

Amit Kumar का वर्ग मूषक है तथा Sakshi s का वर्ग गरूड़ है। इन दोनों वर्गों में परस्पर मित्रता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Amit Kumar और Sakshi s का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

Amit Kumar मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में पंचम् भाव में स्थित है।

Sakshi s मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।
द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Sakshi s कि कुण्डली में द्वादश भाव में वृष राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं चन्द्र Sakshi s कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

शनिभौमोऽथवा कश्चित् पापो वा तादृशो भवेत्।
तेष्वेव भवनेष्वेव भौमदोषविनाशकृत्।।

यदि एक की कुंडली में जहां मंगल हो उन्हीं स्थानों पर दूसरे की कुंडली में प्रबल पाप ग्रह (राहु या शनि) हों तो मंगलीक दोष कट जाता है।

क्योंकि राहु Amit Kumar कि कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Amit Kumar तथा Sakshi s में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

Amit Kumar का वर्ण क्षत्रिय तथा Sakshi s का वर्ण वैश्य है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके प्रभाववश Sakshi s आज्ञाकारी, सेवा करने वाली तथा विश्वासपात्र होगी। साथ ही Sakshi s की हमेशा कम खर्च करके परिवार के लिए पैसे बचाने की आदत रहेगी ताकि जिससे ये पैसे भविष्य में काम आ सकें।

वश्य

Amit Kumar का वश्य चतुष्पद है एवं Sakshi s का वश्य भी चतुष्पद है अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके फलस्वरूप Amit Kumar एवं Sakshi s दोनों के स्वभाव, पसंद एक समान होंगे तथा आपसी तालमेल काफी अच्छा रहेगा, जिससे परिवार में सुख, शांति एवं समृद्धि का मार्ग प्रशस्त होता रहेगा। दोनों के बीच अत्यधिक प्रेम की भावना भी बनी रहेगी।

तारा

Amit Kumar की तारा अतिमित्र तथा Sakshi s की तारा सम्पत है। अतः दोनों की तारा अनुकूल होने के कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। यह विवाह वैवाहिक जीवन एवं परिवार के लिए चहुंमुखी समृद्धि का मार्ग प्रशस्त करता रहेगा। साथ ही दोनों एक-दूसरे के लिए काफी भाग्यशाली साबित होंगे। Amit Kumar हमेशा Sakshi s के साथ मित्रवत व्यवहार करता रहेगा तथा उसे असीम प्रेम एवं प्यार देता रहेगा। इनके बच्चे भी काफी बुद्धिमान, भाग्यशाली, आज्ञाकारी एवं सफल होंगे।

योनि

Amit Kumar की योनि वानर है तथा Sakshi s की योनि मेष है । अर्थात दोनों की योनि समान नहीं है। इन दोनों योनि के बीच परस्पर शत्रुता का संबंध है। अतः यह मिलान बहुत बुरा मिलान ही रहेगा। जिसके कारण दोनों के बीच अक्सर घरेलू हिंसा होती रहेगी। समय-समय पर एक दूसरे पर आघात भी कर सकते हैं। दोनों के बीच प्रेम एवं सौहार्द का अभाव बना रहेगा। दोनों के बीच परस्पर संदेह की भावना बनी रहगी। वैवाहिक जीवन में स्थिति मुकदमेबाजी तक भी जी सकती है। दोनों के बीच अलगाव की चाह भी हो सकती है। एक घर में रहकर स्थिति तलाक जैसी बनी रह सकती है। परस्पर अविश्वास की भावना के कारण वैवाहिक जीवन संघर्षपूर्ण व कलेशपूर्वक बीतने की संभावना है। अतः अपने वैवाहिक जीवन को बचाये रखने के लिए दोनों को परस्पर विश्वास व सहयोग की आवश्यकता है अन्यथा घरेलू हिंसा होने के कारण चोट भी लग सकती है। वैचारिक मतभेदों को बुद्धि बल तथा समझदारी से निपटाना चाहिये अन्यथा लड़ाई झगड़े से किसी भी समस्या का हल निकाल पाना असंभव है।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में Amit Kumar का राशि स्वामी Sakshi s के राशि स्वामी से शत्रु का संबंध रखता है। जबकि Sakshi s का राशि स्वामी Amit Kumar के राशि स्वामी के साथ सम रहता है। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से खराब मिलान है। ज्योतिष की दृष्टि से यदि एक साथी का राशि स्वामी दूसरे के लिए शत्रु किंतु दूसरा उसे सम मानता हो तो ऐसा कुंडली मिलान अच्छा नहीं माना जाता है। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई-झगड़ा, तनाव, मतभेद, एवं बहसबाजी का भाव बना रह सकता है। ऐसा भी हो सकता है कि यह बहस कभी-कभी हिंसक रूप धारण कर ले। जिससे शारीरिक चोट एवं मुकदमेबाजी के कारण आर्थिक हानि हो सकती है।

गण

Amit Kumar का गण मनुष्य तथा Sakshi s का गण राक्षस है। अतः यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। अतः Sakshi s का निर्दयी, निष्ठुर एवं कड़ा स्वभाव रहेगा जिसके कारण Amit Kumar एवं उसके परिवार के सदस्यों का जीवन कष्टपूर्ण हो सकता है। साथ ही पति-पत्नी के बीच अक्सर लड़ाई-झगड़ा बना रह सकता है। जिसके कारण तलाक एवं मुकदमे की संभावना भी बन सकती है।

भकूट

Amit Kumar से Sakshi s की राशि षष्ठम भाव में स्थित है तथा Sakshi s से Amit Kumar की राशि अष्टम भाव में स्थित है। जिसके कारण यह मिलान बिल्कुल अच्छा मिलान नहीं है। क्योंकि इसमें षडाष्टक दोष लग रहा है। जिसके कारण Amit Kumar लाइलाज बीमारी से ग्रस्त हो सकते हैं तथा अक्सर उनके जलने अथवा दुर्घटनाग्रस्त होने की संभावना बनी रहेगी। Sakshi s को स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं हो सकती हैं तथा परिवार के सदस्यों से वैमनस्य होने की संभावना भी रहेगी। पति-पत्नी के बीच वैचारिक मतभेद रह सकते हैं तथा अक्सर लड़ाई-झगड़े होते रहेंगे। दोनों के बीच तनावपूर्ण स्थिति पूरे परिवार के लिए समस्या एवं पीड़ा बन जायेगी। मुकदमेबाजी होने से अलगाव एवं तलाक की संभावना भी रहेगी।

नाड़ी

Amit Kumar की नाड़ी मध्य है तथा Sakshi s की नाड़ी अन्त्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात यह मिलान अति उत्तम मिलान है। यह जीवन के लिए आवश्यक दो महत्वपूर्ण अवयवों का समन्वय है। अच्छे स्वास्थ्य, स्वस्थ काया एवं अच्छे यौन जीवन के लिए वात, पित्त एवं कफ का शरीर में संतुलन आवश्यक है। जिसके कारण Amit Kumar एवं Sakshi s के बीच साहचर्य, सुख एवं समृद्धि की वृद्धि तथा उन्हें अच्छे, स्वस्थ एवं आज्ञाकारी संतान प्रदान होगी।

मेलापक फलित

स्वभाव

Amit Kumar की जन्मराशि अग्नितत्व युक्त धनु तथा Sakshi s की राशि पृथ्वीतत्व युक्त वृष है। अग्नि तथा पृथ्वी में नैसर्गिक विषमता होने के कारण इनकी स्वभावगत विशेषताओं में असमानता रहेगी जिससे संबंधों में मधुरता का अभाव होगा तथा वैवाहिक जीवन के सुख में न्यूनता रहेगी। अतः यह मिलान अच्छा नहीं रहेगा।

Amit Kumar की जन्मराशि का स्वामी गुरू तथा Sakshi s की जन्मराशि का स्वामी शुक्र परस्पर सम एवं शत्रुराशियों में स्थित हैं। सुखी दाम्पत्य जीवन के लिए यह स्थिति विशेष अच्छी नहीं रहेगी। इसके प्रभाव से Amit Kumar और Sakshi s के मध्य प्रेम सहानुभूति एवं सहयोग का अभाव रहेगा तथा सुख दुख में भी एक दूसरे को विशेष सहयोग प्रदान नहीं करेंगे। वे एक दूसरे के गुणों की उपेक्षा करके कमियों पर विशेष ध्यान देगें। Amit Kumar ओर Sakshi s का परस्पर आलोचनात्मक तथा विरोध का दृष्टिकोण भी रहेगा जिससे दाम्पत्य जीवन के सुख में न्यूनता आएगी।

Amit Kumar और Sakshi s की राशियां परस्पर षष्ठ तथा अष्टम भाव में पड़ती हैं। शास्त्रानुसार यह प्रबल भकुट दोष माना जाता है। अतः इसके प्रभाव से दोनों के मन में अहंकार का भाव होगा तथा इससे एक दूसरे के प्रति मन में उपेक्षा का भाव भी रहेगा जिससे दाम्पत्य संबंधों में तनाव तथा कटुता रहेगी। ऐसी स्थिति में यदि Amit Kumar और Sakshi s सामंजस्य एवं बुद्धिमता पूर्वक कार्य कलाप सम्पन्न करने चाहिए।

Amit Kumar और Sakshi s दोनों का वश्य चतुष्पद है। अतः इनकी अभिरूचियों में समानता होगी तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक संबंधों में भी समता रहेगी फलतः आपका दाम्पत्य जीवन सुखी रहेगा एवं काम संबंधों में एक दूसरे को प्रसन्न एवं सन्तुष्ट रखने में समर्थ होंगे जिससे आंतरिक प्रसन्नता भी बनी रहेगी।

Amit Kumar का वर्ण क्षत्रिय तथा Sakshi s का वर्ण वैश्य है। अतः Amit Kumar की प्रवृति साहसिक तथा परिश्रमी कार्यो को करने में रहेगी जबकि Sakshi s धनार्जन संबंधी कार्यो में तत्पर रहेंगी तथा वणिक बुद्धि से कार्य सम्पन्न करेंगी।

धन

Amit Kumar की तारा अतिमित्र तथा Sakshi s की तारा सम्पत है। अतः इनकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ रहेगी तथा इच्छित मात्रा में धन एवं लाभ अर्जित करने में सर्वदा तत्पर होंगे। साथ ही भकूट का इनकी सुदृढ़ आर्थिक स्थिति पर किसी भी प्रकार शुभ या अशुभ प्रभाव नहीं पड़ेगा लेकिन मंगल के प्रभाव से Amit Kumar यदा कदा सामान्य हानि या व्यय से परेशानी की अनुभूति कर सकते है परन्तु यह अल्प समय के लिए होगा।

Sakshi s धनाढ्य एवं सौभाग्यशाली महिला होंगी तथा उसके शुभ प्रभाव एवं

अपनी योग्यता तथा परिश्रम के बल पर Amit Kumar अपने धन की वृद्धि करने में तत्पर रहेंगे। लेकिन मंगल के प्रभाव से Sakshi s की प्रवृति अनावश्यक मात्रा में अधिक व्यय करने की होगी तथा विलासमय वस्तुओं पर व्यर्थ में ही व्यय करेंगी। अतः Sakshi s को ऐसी प्रवृति की उपेक्षा करना ही श्रेयष्कर रहेगा।

स्वास्थ्य

Amit Kumar की नाड़ी मध्य तथा Sakshi s की नाड़ी अन्त्य है अतः अलग अलग नाड़ी होने के कारण इनके स्वास्थ्य पर इसका कोई प्रभाव नहीं होगा तथा सामान्यतया स्वास्थ्य अनुकूल ही रहेगा परन्तु मंगल के प्रभाव से Amit Kumar का स्वास्थ्य प्रभावित रहेगा। इससे वह रक्त तथा पित संबंधी परेशानी प्राप्त करेंगे एवं हृदय रोग से भी यदा कदा कष्ट की प्राप्ति होगी। साथ ही दाम्पत्य जीवन में संभोग शक्ति की अल्पता का भी आभास होगा जिससे जीवन में कलह तथा अशांति उत्पन्न होगी। अतः मंगल के दुष्प्रभाव से सुरक्षित रहने के लिए Amit Kumar को नियमित रूप से हनुमानजी की उपासना करनी चाहिए तथा मंगलवार के व्रत भी करने चाहिए।

संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से Amit Kumar और Sakshi s का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्त Amit Kumar और Sakshi s के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय में Sakshi s के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन Sakshi s को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल में Sakshi s को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष से Amit Kumar और Sakshi s सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरूद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार Amit Kumar और Sakshi s का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

Sakshi s के सास से संबधों में मधुरता के भाव की सामान्यतया न्यूनता ही रहेगी तथा अपनी सास के साथ सामंजस्य स्थापित करने में उनको काफी कठिनाई तथा असुविधा का

सामना करना पड़ेगा। अतः उनसे संबधों में मधुरता लाने के लिए Sakshi s को धैर्य तथा बुद्धिमता का परिचय देना चाहिए तथा अपने समस्त कार्य कलापों को सक्रियता से सम्पन्न करना चाहिए।

साथ ही ससुर से भी Sakshi s को समय समय पर समस्याएं उत्पन्न होगी तथा उन्हें प्रसन्न एवं सन्तुष्ट करने में उन्हें कठिनाई का सामना करना पड़ेगा। ननद एवं देवरों से भी Sakshi s के संबधों में तनाव का भाव रहेगा तथा एक दूसरे के प्रति स्नेह तथा सहानुभूति के भाव में न्यूनता रहेगी फलतः परस्पर प्रतिद्वन्दिता एवं आलोचना का भाव रहेगा।

इस प्रकार Sakshi s का ससुराल के लोगों से अच्छे संबध नहीं रहेंगे जिससे यदा कदा वे असुविधा की अनुभूति कर सकती हैं।

ससुराल-श्री

Amit Kumar के अपने सास ससुर से संबध विशेष अच्छे नहीं रहेंगे तथा परस्पर तनाव तथा मतभेद बने रहेंगे जिसका मुख्य कारण इन के मध्य आयु का अधिक अंतर रहेगा। इससे इनके मध्य सैद्धांतिक तथा वैचारिक मतभेद सामान्य रूप से विद्यमान रहेंगे। लेकिन यदि Amit Kumar तथा उनके सास ससुर परस्पर सामंजस्य को स्थापित करके व्यवहार करें तो उपरोक्त मतभेदों तथा समस्याओं में काफी न्यूनता हो सकती है।

साथ ही साले एवं सालियों से भी कई क्षेत्रों में असहमति रहेगी तथा संबध विशेष मधुर नहीं रहेंगे फलतः आपस में स्नेह सहयोग एवं सहानुभूति के भाव की न्यूनता रहेगी। अतः इन्हें चाहिए कि बुद्धिमता एवं सामंजस्य युक्त प्रवृति से मतभेदों तथा समस्याओं का समाधान करें तथा मित्रता का भाव भी रखें। इससे उपरोक्त मतभेदों में अल्पता आएगी तथा मधुर संबधों में वृद्धि भी होगी।

इस प्रकार सामान्य रूप से Amit Kumar के ससुराल वालों का दृष्टिकोण उनके प्रति अपेक्षित नहीं रहेगा। अतः उन्हें चाहिए कि दामाद के प्रति अपने दृष्टिकोण को विनम्र तथा सहयोग के भाव से युक्त बनाएं।